CIJ–02/DFJK–02

June – Examination 2022

Certificate in Phalit Jyotish Examination

फलित ज्योतिष में प्रमाण-पत्र

(ज्योतिष द्वारा फलादेश की विधि)

Paper : CIJ-02/DFJK–02

Time : 1½ Hours] [*Maximum Marks : **100***

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ' और 'ब' दो खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ **5×4=20**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक वाक्य, एक शब्द या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का है।

1. (i) दिशाशूल किसे कहते हैं ?

   (ii) क्षयादिमास किसे कहते हैं ?

(iii) गण्डमूल नक्षत्र कौनसे हैं ?

(iv) अग्निवास ज्ञात करने की विधि लिखिए।

(v) अमावस्या के भेदों के नाम लिखिए।

(vi) घातवार कौनसे हैं ?

(vii) कालसर्प योग किसे कहते हैं ?

(viii) प्रदोष तिथि के देवता कौन हैं ?

(ix) अभिजित मुहूर्त किसे कहते हैं ?

(x) उत्तरायण किसे कहते हैं ?

खण्ड—ब **4×20=80**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

2. वार किसे कहते हैं ? सौम्य एवं क्रूर वारों को स्पष्ट कीजिए।

3. मास क्या है ? सौर एवं चन्द्रमास में क्या अन्तर है ? समझाइए।

4. पंचकों में करणीय तथा अकरणीय कर्मों का उल्लेख कीजिए।

5. विशोत्तरी महादशा क्या है ? स्पष्ट कीजिए।

6. मांगलिक दोष किसे कहते हैं ? मांगलिक दोष के परिहार पर लेख लिखिए।

7. ग्रहों को पुरुष एवं स्त्री तथा नपुंसक के आधार पर वर्गीकृत कीजिए।

8. शुक्र ग्रह के गुणधर्म की विवेचना कीजिए।

9. विशोत्तरी प्रत्यन्तर दशा पर एक लेख लिखिए।